विश्व प्रेरितिक पत्र

फ्रतेल्ली तूत्ती

संत पापा फ्रांसिस का

भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता पर

यह क्या है?

संत पापा फ्रांसिस का विश्व प्रेरितिक पत्र लुमेन फीदेई (2013) और लौदातो सी (2015) के उपरांत।

03 अक्टूबर 2020 को इटली के आसीसी में इस पर हस्ताक्षर किया गया था।

यह किस पर आधारित है?

- भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता के सवाल जो विगत वर्षों में संत पापा फ्रांसिस के विचार मंथन के मुद्दे रहे हैं।
- दस्तावेज की विषयवस्तु विश्व शांति हेतु मानव भ्रातृत्व और एक साथ मिलकर रहना जिस पर संत पापा फ्रांसिस ने फरवरी 2019 में ग्रैंड इमाम अहमद अल-तैयब के साथ संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किये।

यह किसके लिए संबोधित किया गया है?

उन सभी लोगों के लिए जो इस चिंतन को स्वीकारते जो वार्ता हेतु निमंत्रण देता है।

इस विश्व प्रेरितिक पत्र को किस रूप में संगठित किया गया है?

- **फ्रतेल्ली तूत्ती एक सामान्य परिचय से शुरू होते हुए आठ अध्यायों में विभक्त है।**

परिचय
पहला अध्याय: बंद विश्व के ऊपर एक काला बादल
दूसरा अध्याय: राह में एक अपरिचित
तीसरा अध्याय: एक खुली दुनिया की परिकल्पना और विस्तार
चौथा अध्याय: सारी दुनिया के लिए एक खुला हृदय
पांचवाँ अध्याय: एक बेहतर तरह की राजनीति
छटवाँ अध्याय: समाज में वार्ता और मित्रता
सातवाँ अध्याय: मिलन की नई राहें
आठवाँ अध्याय: धर्मे विश्व बंधुत्व की सेवा हेतु

यह क्या प्रस्ताविक करता है?

- यह सामाजिक विश्व प्रेरितिक पत्र है जो भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता के लिए समर्पित है।
- यह भ्रातृ प्रेम के सिद्धांत को सार्वभौमिक आयाम स्वरुप प्रस्तुत करता है।
- इसका लक्ष्य भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता को एक नई दृष्टि प्रदान करना है।
- यह हमें एकल मानव परिवार के रुप में सपने देखने को प्रोत्साहित करता जहाँ हम सहयात्री स्वरुप एक ही रूप को साझा करते हैं।

यह शीर्षक कहाँ से आता है?

- फ्रतेल्ली तूत्ती आसीसी के संत फ्रांसिस की एक अभिव्यक्ति है (चेतावनियाँ, 6, 1)
- संत फ्रांसिस इस अभिव्यक्ति का उपयोग एक ऐसे जीवन हेतु करते हैं जो सुसमाचार की खुशबू से चिन्हित हो।
- संत फ्रांसिस सभी नर और नारियों को एक प्रेम के लिए निमंत्रण देते हैं जो सभी भौगोलिक सीमाओं और दूरियों से परे जाता है।

ख्रीस्तीयता एकतावर्धक प्रार्थना

आ पवित्र आत्मा, हमें अपनी सुन्दरता दिखा
जो पृथ्वी के सभी लोगों में झलकती है
जिससे हम नवीनता की खोज कर सकें
जो हम सभी के लिए महत्वपूर्ण और जरुरी है
एक मानवता के विभिन्न चेहरे
जिसे ईश्वर अत्यधिक प्रेम करते हैं।
आमेन

विश्व प्रेरितिक पत्र
फ्रतेल्ली तूत्ती
संत पापा फ्रांसिस का
भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता पर

बंद विश्व के ऊपर एक काला बादल

संत पापा फ्रांसिस वर्तमान समय के उन मुद्दों पर चिंतन करते हैं जो वैश्विक मित्रता के विकास में विघ्न डालती है।

“वैश्विक समाज हमें पड़ोसी बनाता है, लेकिन यह हमें भाई और बहन नहीं बनाता है।”

विश्व के ऊपर एक काले बादल को हम किस रुप में देख सकते हैं?

- हताशी और निराशा समाज में चारों ओर फैली हुई है।
- ध्रुवीकरण हमें वार्ता और एक साथ मिलकर रहने में बाधा डालती है।
- लोगों को सहज ही “बलिदान” कर दिया जाता और छोड दिया जाता है।
- अधिकारों की असमानता और नये प्रकार की गुलामी
- नैतिकता का पतन और आध्यात्मिक मूल्यों का कमजोर होना

आज हम इन शब्दों में हेरा-फेरी को पाते हैं, जैसे किः

स्वतंत्रता **न्याय**
लोकतंत्र एकता

इस चुनौती के समाने फ्रतेल्ली तूत्ती इस बात पर जोर देता है कि

“हम जिस राह में चलें वह निकटता का होना चाहिए, यह मिलन की संस्कृति है”

ईश्वर सदैव बहुतायत में अच्छाई के बीज बोते हैं।

अच्छाई, स्नेह में एक साथ, न्याय और एकता को हमें प्रतिदिन अनुभव करना है।

आशा हमारी व्यक्तिगत सुविधाओं के परे जाती है जो क्षितिज को सीमित कर देती है और यह बृहद आदर्शों को हमारे लिए खोलती है।

विश्व प्रेरितिक पत्र

फ्रतेल्ली तूत्ती

संत पापा फ्रांसिस का

भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता पर

राह में एक अपरिचित

भले समारी के दृष्टांत में विभिन्न पात्र कौन-कौन हैं ?

- आक्रमण करने वाले
- वे जो राह चलते हुए गुजर जाते हैं
- घायल और मरने हेतु छोड़ दिया गया व्यक्ति

इस संदर्भ में फ्रतेल्ली तूत्ती हम से सवाल करता है:

?

इन में से किस व्यक्ति में आप अपने प्रतिरूप को देखते हैं?

आप का पड़ोसी कौन है?

“येसु ख्रीस्त हमें कहते हैं कि हम यह निर्धारित न करें कि कौन हमारा पड़ोसी हो सकता है, वरन् हम अपने में सभी के लिए पड़ोसी बनें”।

फ्रतेल्ला तूत्ती हमें निमंत्रण देता है कि हम सक्रिया रुप से घायल समाजों की सेवा हेतु आगे आयें।

आज भी भले समारी की घटना दुहराई जा रही है:

1. हमारी उदासीनता को सही ठहराने के लिए नियतिवाद या भाग्यवाद की अपील की जाती है।
2. समाज दूसरों को अनदेखा करती है, खासकर, कमजोरों को।
3. विश्व सामाजिक बहिष्कार को स्वीकारती और बढ़ावा देती है।
4. हम सामाजिक और राजनीतिक उदासीनता को देख रहे हैं।

प्रेम इस बात की चिंता नहीं करता कि जरूरत में भाई-बहन किस स्थान से आते हैं।

क्योंकि यह उन बधनों को तोड़ देता है जो हमें एक-दूसरे से अलग और विखंडित करता है, यह सेतुओं का निर्माण करता है।

क्या आप यूं ही पार हो जायेंगे, या आप रूक कर राह में घायल व्यक्ति की मदद करेंगे?

दुनिया की दुःखद भरी परिस्थिति में हमें भले समारी का अनुसरण करने की जरुरत है।

विश्व प्रेरितिक पत्र
फ्रतेल्ली तूत्ती
संत पापा फ्रांसिस का
भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता पर

एक खुली दुनिया की परिकल्पना और विस्तार

येसु ने हमें कहा है: *"तुम सभी भाई-बहन हो" (मत्ती.23.8)*

वैश्विक मित्रता हेतु खुलेपन की जरुरत है:

- अपने को निष्ठा में दूसरों के लिए उपहार स्वरुप देना मानव में पूर्णता की अनुभूति लाती है।
- प्रेम दूसरों को स्वीकारने और सीमांतों तक जाने की मांग करता है।
- प्रेम "सामाजिक मित्रता" के आधार पर सीमाओं से परे जाता है।

अच्छे साधनों और मूल्यों को बढ़ावा देना जो मानव का समग्र विकास करता है

हम इसकी प्राप्ति कैसे कर सकते हैं?

- ✓ एक समुदाय के रुप में सोचते और कार्य करते हुए।
- ✓ गरीबी और असमानता के संरचनात्मक कारणों का सामना करते हुए।
- ✓ राज्य की उपस्थिति एवं सहभागिता द्वारा जहाँ संवेदशील लोगों की सहायता में खर्च किया जाता हो।
- ✓ इस बात पर ध्यान देते हुए कि किसी को छोडा नहीं जाता है।
- ✓ एकजुटता और सेवा की वैश्विक नैतिकता के आधार पर वास्तविक और स्थायी शांति स्थापना द्वारा।

[हर व्यक्ति अपने में मूल्यवान है और उसे मानवीय सम्मान में जीने का अधिकार है।]

विश्व प्रेरितिक पत्र

फ्रतेल्ली तूत्ती

संत पापा फ्रांसिस का

भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता पर

सारी दुनिया के लिए एक खुला हृदय

वैश्विक मित्रता हेतु कौन से कार्य फलप्रद होते हैं?

1

स्वागत करना, सुरक्षा देना, बढ़ावा देना और प्रवासियों को समाज का अंग बनाना जो हाशिये पर हैं।

2

इस बात से और अधिक अवगत होना कि इन दिनों हम सभी या तो एक साथ सुरक्षित हैं या कोई भी सुरक्षित नहीं है।

3

एक वैश्विक न्याय, राजनीति और अर्थव्यवस्था को गढ़ना जो सभी लोगों के विकास और एकता को बढ़ावा देता है।

कृतज्ञता क्या है?

- कुछ उन चीजों को अपने में करना क्योंकि वे अपने में अच्छी हैं।
- अपने व्यक्तिगत लाभ या फायदे की कामना किये बिना कोई भी कार्य करना।
- अपरिचितों का स्वागत करना यद्यपि यह हमें ठोस रुप से कोई भी लाभ नहीं देता है।

"विश्व के विभिन्न देशों की सच्ची योग्यता का मापदण्ड यही है कि वे अपने को बृहद मानव परिवार के अंग स्वरुप देखने की क्षमता रखते हैं। ईश्वर सदैव इसे हमें मुफ्त में देते हैं।"

हर स्वस्थ्य संस्कृति अपने में खुली और स्वभाव से स्वागत योग्य होती है।

अपने मन और हृदय को खोलना हमें दूसरों को समझने में मदद करता है जो हमसे भिन्न हैं।

वैश्विक एकता में हर मानव समूह अपनी सुन्दर को प्राप्त करता है।

मानव अपने में सीमाओं से परे है यद्यपि वह अपने में सीमित है।

क्या यह हमारे लिए संभव है कि हम अपने देश के संदर्भ में अपने पड़ोसियों के लिए अपने को खुला रखें?

विश्व प्रेरितिक पत्र
फ्रतेल्ली तूत्ती
संत पापा फ्रांसिस का
भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता पर

एक बेहतर तरह की राजनीति

"प्रेम, येसु की शिक्षा के अनुसार, सभी नियमों का निचोड़ है।" (cf. Mt 22,36-40)

एक बेहतर तरह की राजनीति क्या है?

- वह जो अपने में सार्वजनिक भलाई को प्रसारित करता हो।
- वह जो अपने में केवल मत प्राप्ति तक सीमित न हो।
- वह जो व्यक्तिगत विकास का माध्यम हो।
- वह उस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता हो जिसके द्वारा विभिन्न तरह के उत्पादन और व्यापार की उत्पत्ति होती है।
- वह जो अपने में दूर-दर्शिता, एक नये, पूर्ण और अंतःविषय संवाद के योग्य हो।

फ्रतेल्ली तूत्ती एक सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था हेतु आह्वान है जिसका केन्द्र बिन्दु सामाजिक भलाई है।

- ✓ यह हमें प्रेम की सभ्यता की ओर अग्रसर करता हो जिसके लिए हम सभी बुलाये गये हैं।
- ✓ यह हमें पूरी मानव जाति को भाई-बहन की तरह देखने में मदद करता हो, जहाँ कोई अछूता न हो।
- ✓ प्रेम को सच्चाई, तर्क और विश्वास के प्रकाश की जरुरत है।

सामाज के प्रति स्नेह हमें सामान्य हितों से प्रेम करने में मदद करता है
यह हमें प्रभावकारी ढ़ंग से सभों की भलाई की खोज करने को प्रेरित करता है
सामाजिक आयाम में यह हमें एकता में पिरो कर रखता है।

राजनीति कार्यक्रम में हर व्यक्ति पवित्र है जिसे हमारे प्रेम और सम्मान की जरुरत हैः

"यदि मैं कम से कम एक व्यक्ति को बेहतर जीवन के लिए मदद कर सकूं, तो यह मेरे जीवन के समर्पण को न्यायपूर्ण बनाता है।"

समाज में वार्ता और मित्रता

"वार्ता" का अर्थ क्या है?

- पहुंचना
- बोलना
- सुनना
- देखना
- एक-दूसरे को जानते हुए समझने का प्रयास करना
- आपसी अच्छी चीजों की खोज करना

मिलन की संस्कृति के अनुसार:

**हरएक जन दूसरों से कुछ सीख सकते हैं,
कोई अपने में बेकार नहीं है,
और कोई भी अपने में दुरुपयोग हेतु नहीं है**

एक बहुलतावादी समाज जो संवाद को प्रोत्साहित करता है:

1. सभी परिस्थितियों में दूसरों का सम्मान करता है।
2. विभिन्नताओं को स्थान देता और इस भांति एक सच्ची और सदा बने रहने वाली शांति सुनिश्चित करता है।
3. लोगों के अधिकारों को पहचान प्रदान करता और एक मित्रतापूर्ण वातावरण बनाये रखता है।

कौन-सा मनोभाव या कार्य वार्ता हेतु सहायक नहीं होता है?

- कोई आक्रमण जिसे हम सामाजिक संचार माध्यमों में प्रकट करते हैं।
- एकल वक्तव्य जो दूसरों को नहीं सुनता है।
- अतिशीघ्रता में दूसरों का अपमान करने की प्रवृति।

[सच्ची सामाजिक वार्ता अपने में दूसरों के विचार-अभिव्यक्तियों का सम्मान करने की योग्यता रखती है।]

मिलन की नई राहें

शांति की राह में, मिलन हेतु नई प्रक्रियाएं अति आवश्यक हैं

- सच्चे मेल-मिलाप।
- आम परियोजनाएं जो किसी व्यक्ति की व्यक्तिगतता को अस्वीकार नहीं करता है।
- सभी लोगों को सम्मान देना, उनकी रक्षा करना और उसे सुदृढ़ करना।
- गरीबों, बिखरे और परित्यक्त के लिए विकल्प में।
- क्षमा के अर्थ को समझना और उसकी प्रशंसा करना।

**येसु ने कभी हिंसा या असहिष्णुता को बढ़ावा नहीं दिया।
सुसमाचार हमें, "सत्तर गुण सात बार तक" क्षमा करने की शिक्षा देता है। (मत्ती. 18.22)**

सच्ची क्षमा और सच्चा मेल-मिलाप

- लड़ाई का निदान वार्ता द्वारा होती है।
- अपने बीच से शत्रुता और एक-दूसरे के प्रति घृणा के भाव को दूर करने में होती है।
- अंतरों के संबंध में ईमानदारी पूर्ण विचार-मंथन करना जो न्याय स्थापित करने की ओर अग्रसर हो।
- इसका अर्थ भूलना और दण्डमुक्ति नहीं है।
- हम प्रतिशोध के दुष्चक्र में न पड़ें।

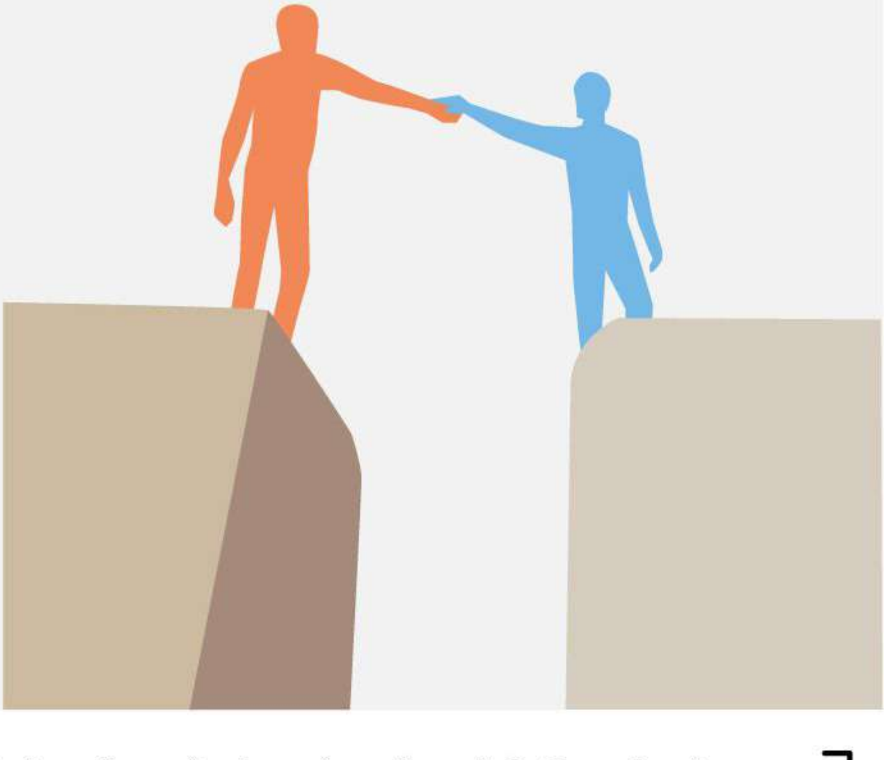

> मैं ईश्वर से निवेदन करता हूँ कि वे हमारे हृदयों को अपने भाई-बहनों से मिलन हेतु तैयार करें जिससे हम अपनी विभिन्नताओं पर विजयी हो सकें जो हमारी राजनीतिक सोच, भाषा, संस्कृति और धर्म में जड़ित है।
>
> **संत पापा फ्रांसिस**

विश्व प्रेरितिक पत्र

फ्रतेल्ली तूत्ती

संत पापा फ्रांसिस का

भ्रातृत्व और सामाजिक मित्रता पर

धर्में विश्व बंधुत्व की सेवा हेतु

केवल इस अनुभूति में कि हम सभी ईश्वर की संतान हैं हम एक-दूसरे के साथ शांति में जीवन जी सकते हैं।

अलग-अलग धर्म विशेष रुप से भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करते हैं।

ईश्वर को खोजना एक-दूसरे को सह-यात्री, सच्चे भाई-बहन स्वरुप पहचाने में मदद करता है।

धार्मिक स्वतंत्रता और अंतरात्मा की स्वतंत्रता का हनन मानवता को दरिद्र बना देता है।

कलीसिया अपने खुले दरवाजों के संग एक घर है, क्योंकि वह एक माता है:

1. वह सेतुओं का निर्माण करती है
2. वह दीवारों को तोड़ती है
3. वह मेल-मिलाप के बीज बोती है।

धर्मों के बीच शांति की यात्रा संभव है:

- ईश्वर की निगाहों से देखना हमारी यात्रा की शुरूआत होनी चाहिए क्योंकि ईश्वर अपने हृदय से देखते हैं।
- हमारी मुख्यधारा के धार्मिक विश्वासों में हिंसा का कोई स्थान नहीं है।
- निष्ठा और नम्रता में ईश्वर की आराधना करना मानव जीवन के सम्मान और स्वतंत्रता में फलहित होता है।

धार्मिक नेताओं का बुलावा सही अर्थ में "वार्ता के जन" होने के लिए हुआ है जहाँ वे सच्चे मध्यस्थों के रुप में शांति स्थापना हेतु सहयोग करते हैं।

ख्रीस्तीय एकता के लिए प्रार्थना

हे तृत्वमय प्रेमी ईश्वर,
अपने दिव्य-सामुदायिक-जीवन की गहराई से
हममें बन्धुत्व प्रेम का झरना बहा दे।
हमें वह स्नेह प्रदान कर, जो येसु के कार्यों में
तथा नाजरेथ के परिवार
और आरंभिक ख्रीस्तीय समुदाय में प्रतिविम्बित है।

कृपा कर कि हम ख्रीस्तीय, सुसमाचार को जीते हुए
हर मनुष्य में ख्रीस्त को पहचान कर
परित्यक्तों के दुःख और दुनिया में भुला दिये गये लोगों में
उस क्रूसित येसु को पहचानें
जो प्रत्येक भाई या बहन में पुनर्जीवित होकर
नयी शुरूआत करता है।

हे पवित्र आत्मा, आ, हमें उस सुन्दरता को दिखा
जो दुनिया के सब लोगों में प्रतिविम्बित है,
जिससे हम एक मानवता की
उन सब महत्वपूर्ण व आवश्यक पक्षों की
पुनः खोज कर सकें,
जिन्हें ईश्वर प्यार करते हैं। आमेन।